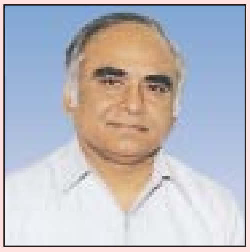

महानिदेशक का संदेश

परिषद ने देश को सेवा प्रदान करने में अपनी उपस्थिति के 94 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। इन वर्षों में, परिषद चिकित्सा अनुसंधान, वैक्सीन एवं औषध विकास के साथ-साथ मानव संसाधन विकास की दिशा में निरन्तर अग्रसर रही है।

वर्ष 2004-2005 के दौरान भारत के माननीय राष्ट्रपति डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम ने राष्ट्रीय विषाणुविज्ञान संस्थान, पुणे स्थित उच्च परिरोधन प्रयोगशाला को राष्ट्र को समर्पित किया। माननीय केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ अन्बुमणि रामदॉस ने महाराष्ट्र के ससुनावघर में राष्ट्रीय प्राइमेट प्रजनन अनुसंधान केन्द्र का शिलान्यास किया। यह केन्द्र भारत और विदेश के वैज्ञानिकों को शोध एवं प्रशिक्षण सुविधाएं प्रदान करेगा।

इस वर्ष के दौरान भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद और केनेडियन स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान के बीच स्वास्थ्य अनुसंधान में सहयोग हेतु एक सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए तथा भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद-साउथ अफ्रीकन मेडिकल रिसर्च काउंसिल और एफ आई ओ सी आर यू ज़ेड, ब्राज़ील के बीच एक त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद ने दिसम्बर, 2004 के तटीय क्षेत्रों में सुनामी के प्रकोप के पश्चात दक्षिण भारतीय राज्यों में आपातकालीन रोग निगरानी में राज्य सरकार के अधिकारियों को सहायता प्रदान किया।

समीक्षा अवधि के दौरान मूल कोशिका अनुसंधान एवं चिकित्सा के लिए राष्ट्रीय दिशानिर्देश तैयार किए गए हैं, जबकि प्रत्यायन, पर्यवेक्षण और नियंत्रण हेतु तैयार दिशानिर्देश को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अपना लिया गया है।

समीक्षा अवधि के दौरान परिषद ने मानव इंफ्लुएंज़ा हेतु बहुस्थलीय जानपदिक रोगविज्ञानी और विषाणुविज्ञानी निगरानी कार्य में भी अपनी सेवाएं प्रदान किया।

वर्ष 2004-2005 के दौरान कुल 767 शोध परियोजनाओं और 285 फेलोशिप्स को वित्तीय सहायता प्रदान की गई और परिषद के वैज्ञानिकों द्वारा वर्ष 2003 में प्रकाशित 454 शोध पत्रों की तुलना में वर्ष 2004 के दौरान 486 शोध पत्र प्रकाशित किए गए। वर्ष 2003 में प्रति शोध पत्र औसत इंपैक्ट फैक्टर 2.180 की तुलना में वर्ष 2004 में 2.326 था।

मुझे यहां वर्ष 2004-2005 के दौरान की भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद की शोध गतिविधियों के मुख्य अंश को प्रस्तुत करने में प्रसन्नता हो रही है।

निर्मल कुमार गांगुली

(निर्मल कुमार गांगुली)
महानिदेशक